impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 03-Oct-2009 Edition : Delhi Page No.: 14 Page Name: n.a. Size: 127 sq. cm

Sector: Pharma Healthcare and Biotech Circulation: 110044 AVE: Rs.11937.72 Frequency: Daily

Publication: Dainik Bhaskar Title: Breast cancer is rising in metro cities

भारत का सबसे तेज बढ़ता अख़बार
दैनिक भास्कर

# महानगरों में बढ़ रहा है स्तन कैंसर

## भारत में प्रत्येक 22 महिलाओं में से एक महिला है स्तन कैंसर से पीड़ित।

**प्रदीप सुरीन** | नई दिल्ली

**दिल्ली** और मुंबई जैसे महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और बदलती जीवन-शैली की वजह से महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे बड़ी बीमारी बनकर उभर रहा है। एक से सात अक्टूबर तक विश्व स्तन कैंसर सप्ताह के अवसर पर मैक्स अस्पताल में स्तन कैंसर के सर्जन डॉक्टर वेदांत काबरा ने कहा कि कि महानगरों की महिलाओं में स्तन कैंसर दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली और मुंबई में तो यह कैंसर की नंबर एक बीमारी है। डॉ. वेदांत इसके लिए लोगों की जीवन-शैली में अचानक आए बदलाव को जिम्मेदार मानते हैं।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार विश्व में स्तन कैंसर से होने वाली मौतों में छह प्रतिशत भारतीय महिलाएं होती हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत के हर 22 महिलाओं में से एक महिला स्तन कैंसर से पीड़ित है। इन बढ़ते आंकड़ों की ओर ध्यान दिलाते हुए डॉ. वेदांत सलाह देते है कि स्तन कैंसर को रोकने के लिए खुद की जांच बेहद जरूरी है।

स्तन कैंसर सप्ताह पर कार रैली द्वारा लोगों में जागरूकता फैलाने वाली स्वयंसेवी संस्था फोरम फॉर ब्रेस्ट कैंसर प्रोटेक्शन के चेयरपर्सन डॉक्टर सीएस पंत का कहना है कि शुरुआती दौर में स्तन कैंसर का पता चलना थोड़ा कठिन होता है, पर जितनी जल्दी इसका पता चल जाए उतनी ही जल्दी इसका इलाज भी कराया जा सकता है। डॉ. पंत ये भी बताते हैं कि 35 से 40 साल की उम्र तक की महिलाओं को हर साल स्तन कैंसर की जांच करानी चाहिए। डॉ. पंत कहते हैं कि पश्चिमी देशों में हर 8 महिलाओं में से एक महिला को स्तन कैंसर होता है, पर भारत में अभी पश्चिमी देशों के अनुपात में यह बीमारी कम ही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में जागरूकता का यही स्तर रहा तो 2020 तक भारतीय महिलाओं में भी यह बीमारी पश्चिमी देशों के अनुपात के बराबर हो जाएगी।

इंडियन जरनल ऑफ कैंसर के मुताबिक पूरे विश्व में हर साल लगभग 10 लाख नए लोग स्तन कैंसर की चपेट में आ जाते हैं। पिछले कुछ साल में स्तन कैंसर के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। मैक्स हेल्थकेयर के डॉ. वेदांत कहते हैं कि पिछले एक साल में साकेत और पटपड़गंज सेंटर से उन्होंने लगभग 250-300 मरीजों का इलाज किया है।


© Dainik Bhaskar www.bhaskar.com